द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय (स्वायत्तशासी)

उत्कृष्ठता हेतु सक्षम महाविद्यालय (भाषायी अल्पसंख्यक संस्थान)

Dwaraka Doss Goverdhan Doss Vaishnav College (AUTONOMOUS)

Re-accredited with "A ++" Grade by NAAC (3rd Cycle)

College with Potential for Excellence (Linguistic Minority Institution)

दर्पण

हिन्दी विभाग शिफ़्ट - २

May 2022 / Annual Publication / Volume - 2, Issue - 2

विभागीय विशेष सेवाएँ

सेमीनार/वेबीनार/और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन,

हिन्दी ज्ञान एवं साहित्य के विकास हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना,

सम्पादक

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी

सह संपादक मण्डल -

डॉ. सुनील पाटिल

डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी

डॉ. कुमार अभिषेक

डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा

सचिव एवं प्राचार्य के संदेश	02
विभागाध्यक्ष की मेज से	03
विभाग के बारे में	04
विभाग की गतिविधियां	5 & 6
विभाग की उपलब्धियां	7 & 8

Scanned with CamScanner

शुभकामनाएँ

श्री अशोक कुमार मूँधड़ा जी
सचिव - डी जी वैष्णव कालेज

करीबन दो वर्षो या कहिए कि दूसरे वर्ष के अंत में हमारा देश कोविड -१९ के प्रभाव से राहत पाता नजर आया। देश कि समस्त गतिविधिया धीरे धीरे पूर्ववत होने लगी। यह एक शुभ संकेत है। शिक्षा प्रणाली भी सुचारु रूप से चलने लगी और सभी प्राध्यापक छात्र महाविद्यालय परिसर में शिक्षार्थ सेवारत हो गए। हिन्दी विभाग शिफ्ट-२ द्वारा प्रकाशित हिन्दी न्यूज लेटर 'दर्पण' का प्रथम संस्करण जून २०२१ में लोकार्पित हुआ जो एक खुशी की बात थी। इस विभाग के न्यूज लेटर का यह दूसरा संस्करण है जिसके प्रकाशन हेतु हम हिन्दी विभाग शिफ्ट-२ के सभी प्राध्यापको को साधुवाद देता हूँ।

हिन्दी हमारे देश की राष्ट्र भाषा है। भाषा, समाज को एकजुट करके ताकतवर बनाती है। भाषा से समृद्ध समाज हमेशा उन्नति करता है। भाषा से हमारी संस्कृति पुष्पित एवं पल्लवित होती है। बिना संस्कृति के समाज में आदर्श की स्थापना नहीं हो सकती। पत्र प्रकाशन इस दिशा में अपना बहुमूल्य योगदान देता है। मुझे विश्वास है, हिन्दी विभाग शिफ्ट-२ द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर 'दर्पण' २०२२ भी इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इसके सतत प्रकाशन की मैं मंगल कामना करता हूँ।

प्राचार्य की प्रेरणा

कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू
प्राचार्य, डी. जी. वैष्णव कालेज

हिन्दी विभाग शिफ्ट-२ द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर 'दर्पण' का या दूसरा संस्करण है, जिसके प्रकाशन पर मैं पूरे विभाग को साधुवाद देता हूँ। हमारे महाविद्यालय में हिन्दी छात्रों की संख्या, अन्य महाविद्यालयो से कही अधिक है। हम लोंगों ने इसी वर्ष राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद की परीक्षा प्रणाली और स्वायत्तशासी सर्वेक्षण की प्रक्रिया को पूरा करते हुये A++ का अति सम्मानित ग्रेड प्राप्त किया है। इस प्रक्रिया में अन्य विभागो के न्यूजलेटर की तरह 'दर्पण' न्यूजलेटर भी एक कड़ी के रूप में शामिल रहा है। हिन्दी विभाग शिफ्ट-2 लगभग 650 छात्रों के साथ हिन्दी का पठन पाठन कर रहा है जिसमें गैर हिन्दी भाषी छात्रों की संख्या काफी है। ऐसे छात्र जिनकी मातृ भाषा हिन्दी नहीं है, पर वे हिन्दी पढ़ रहे है, यह खुशी की बात है। एन सी सी और एन एस एस एवं अन्य क्लबों के क्रियान्वयन में हिन्दी संवाद के सहारे हिन्दी में बात करने की उत्सुकता, छात्रों में लगातार बढ़ रही है। 'दर्पण' का प्रकाशन इस दिशा में एक सार्थक पहल है। इसके लिए मैं हिन्दी विभाग शिफ्ट-2 के सभी आचार्यों को बधाई देता हूँ और इसके लगातार सफल प्रकाशन की हार्दिक शुभकामना देता हूँ।

Scanned with CamScanner

विभागाध्यक्ष की कलम से

सूचना प्रोद्योगिकी ने मानव जीवन को वर्तमान समय में प्रभावित भी किया है और संबल भी प्रदान किया है । आज की शिक्षण व्यवस्था ने भी पूर्व की भांति इसके सहारे कोरोना जैसी महामारी पर विजय प्राप्त की है । समय ने घाव तो बहुत छोड़े है , पर मरहम भी समय ने ही दिया है । दुनिया कभी नहीं रुकती । तो हम भी नहीं रुके । इसी क्रम में हिन्दी विभाग शिफ्ट-2 ने जून 2021 में विभाग के प्रथम न्यूजलेटर 'दर्पण' का प्रथम प्रकाशन किया और वर्तमान में दूसरा संस्करण आपके कर कमलों में है ।

इस न्यूजलेटर 'दर्पण' के प्रकाशन में महाविद्यालय के महामहिम श्री अशोक कुमार मूधड़ा जी की असीम अनुकंपा रही है वरना इसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था । उनके निर्देशन एवं आशीर्वाद तले हम दूसरे संस्करण के प्रकाशन तक का सफर तय कर पाये है । महाविद्यालय की प्रबंधन समिति ने अदम्य साहस एवं सहयोग का प्रमाण पेश किया है । पूरे कोरोना काल में प्रबंधन समिति ने किसी भी प्राध्यापक को किसी एक महीने में भी एक पैसे का नुकसान नहीं उठाने दिया है । जिसका नतीजा है की कोई भी गतिविधि पंगु नहीं हुयी । प्राचार्य कैप्टन डॉ एस संतोष बाबू का हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम कभी भुलाया नहीं जा सकता । उनका दिशा निर्देश ही है की हम लगभग 670 छात्रों एवं 5 प्राध्यापको के साथ विभाग की सेवा कर पा रहा हूँ । हम उनके आभारी है । महाविद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री अशोक केडिया जी हिन्दी कविता में विशेष रुचि लेते है । उनके भाषायी प्रेम का हम सदा अनुकरण करेंगे । पूरा विभाग उनके सहयोग का ऋणी है ।

हमारे विद्यालय ने इस साल स्वायत्तशासी सर्वेक्षण की प्रक्रिया एवं राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद की कठिन परीक्षा प्रणाली के दौर से सफलता पूर्वक गुजरते हुये A++ का अति सम्मानित ग्रेड प्राप्त किया है । जिससे महाविद्यालय की श्री वृद्धि हुयी है । वर्तमान समय में हिन्दी विभाग शिफ्ट-2 कुल 670 विद्यार्थियो का कुटुंब है जो लगभग 32 विभागो से आते है । हम 5 प्राध्यापको के साथ हिन्दी सेवा में सेवारत है । विगत विषम परिस्थितियों में भी यह विभाग यथाशक्ति , महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक ब्यावस्था में सहयोग देते हुये हिन्दी सेवा में रत है ।

प्रस्तुत संस्करण हमारा दूसरा प्रयास है जिसमें महाविद्यालय की छवि का ध्यान रखते हुये कवर पृष्ठ पर न्यूजलेटर का परिचय है । अगले पृष्ठ पर प्रारम्भ में महामहिम सचिव श्री अशोक कुमार जी मूँधड़ा एवं आदरणीय प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू का संदेश प्रस्तुत किया गया है । अगले पृष्ठ पर विभागाध्यक्ष के विचार निवेदित हैं । विभाग का परिचय , एवं गतिविधियों का उल्लेख किया गया है । अगले पृष्ठ पर प्रिय विद्यार्थियों की सक्रियता एवं उनकी उपलब्धियों को दर्शाया गया है । विभाग के आचार्यों की उपलब्धियां भी बताई गयी है । यथा संभव छायाचित्रों को भी स्थान दिया गया है । इस संस्करण के प्रकाशन में छात्रों , प्राध्यापको , का सहयोग सराहनीय रहा है । आशा है यह संस्करण विभाग की अधिक से अधिक जानकारी प्रस्तुत करने में सफल होगा । विभाग इसके सतत प्रकाशन का पूरा प्रयास करेगा । मानवसुलभ त्रुटियों के लिए सदा क्षमा प्रार्थी रहूँगा ।

धन्यवाद

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी, विभागाध्यक्ष - हिन्दी विभाग शिफ़्ट-२

Scanned with CamScanner

हिन्दी विभाग शिफ्ट -2

कोई भी संस्था एक वट वृक्ष के समान होती है जिसकी छाया में न जाने कितने लोग अपना जीवन यापन करते है । लोग आते रहते है अपनी सेवाएँ अर्पित कर चले जाते है , पुनः कोई दूसरा आता है , यह क्रम चलता रहता है । पर संस्था वहीं रहती है । ठीक उसी वट वृक्ष की तरह जिसकी छाया में पथिक थका मांदा आता है , उसकी शीतल छाया में अपना श्रम मिटाता है और फिर चल देता है । पर वह वट वृक्ष वही रहता है । यह हिन्दी विभाग शिफ्ट 2 भी वही वट वृक्ष है जिसकी छत्र छाया में हम सभी अपनी सामर्थ्य के अनुसार हिन्दी की सेवा कर रहे है । सन 1970 में कुछ गिने चुने विभागो एवं विद्यार्थियों के साथ यह विभाग अपने अस्तित्व में आया और निरंतर विकसित होते हुये आज लगभग 35 विभाग , 650 छात्र तथा 5 प्राध्यापको का परिवार बन गया है । इसके विकास क्रम में हम सबसे पूर्व अनेक विद्वानों ने अपनी सेवाए दी है जिसमें डॉ एम शेषन , डॉ एच एन पांडेय , और डॉ राम सूरत सिंह जी आदि की सेवाएँ शामिल है । वर्तमान समय में हम 5 आचार्य इस विभाग में सेवा रत है।

पठन पाठन तो बेसिक स्तर का ही है जो मद्रास विश्व विद्यालय के नियमो के अनुसार है । कामर्स ग्रुप के छात्रों को एक साल अर्थात 2 सेमेस्टर हिन्दी पढ़ाई जाती है । आर्ट्स और विज्ञान ग्रुप के छात्रों को 2 साल अर्थात 4 सेमेस्टर हिन्दी पढ़ाई जाती है । इस वर्ष हमारा कालेज नैक कमेटी द्वारा A++ का ग्रेड प्राप्त किया है । यह तीसरा क्रम है जब हम नैक द्वारा उत्तम ग्रेड हासिल किए है । हम सबके लिए यह गौरव की बात है । स्वायत्तशासी होने के कारण हम को पाठ्य क्रम भी अपने छात्रों के अनुसार बनाने की सुविधा है जिसका लाभ सभी छात्रों को मिलता है ।

छात्रों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए और उनको एक बड़ा मंच देने के लिए विभाग अनेक कार्यक्रम करता है । जिसमें विभाग का 'दर्पण' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम बेहद लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध है । इसके अलावा वर्ष में निबंध प्रतियोगिता , भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है। जिसके विजेताओ को कालेज की तरफ से पुरस्कृत किया जाता है । हमारे छात्र अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिताओ में भी भाग लेते है और पुरस्कार प्राप्त करते है जिसका विवरण हम आगे दिये है । अहिंदी भाषियों के हिन्दी स्तर को विकसित करने के लिए हमारा विभाग उन छात्रों को विशेष समय देकर हिन्दी का ज्ञान देता है । यहा यह बात स्पष्ट कर देना उचित समझता हूँ की हमारे महाविद्यालय की प्रबंधन समिति , सचिव श्री अशोक कुमार जी मुंधड़ा , कोषाध्यक्ष श्री अशोक केडिया जी का विशेष सहयोग मिलता रहता है जिससे हिन्दी के प्रचार प्रसार में बेहद सहायता मिलती है । प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू के सहयोग को सराहना हमारा कर्तव्य है । वे भी हिन्दी विभाग को प्रोत्साहन देते रहते है । हमारा आचार्य मण्डल महाविद्यालय के निर्देशन में अपनी हिन्दी सेवा जारी रखेगा , यह हमारा विश्वास है । महाविद्यालय की गरिमा के लिए हम सदैव तत्पर है ।

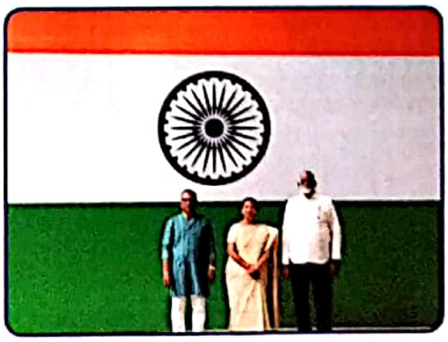

Scanned with CamScanner

विभागीय गतिविधि
2021-22 हिन्दी शिफ्ट-2

जैसा की विदित है कि 2021-22 का आरंभ भी बेहद जोखिम भरा था । भारत कोरोना महामारी से संघर्ष तो कर रहा था पर हिम्मत नहीं हारा था । हमारा महाविद्यालय भी शैक्षणिक गतिविधियों के क्रियान्वयन में पीछे नहीं था । इसमे प्राचार्य , प्रबंधन समिति , प्राध्यापक , एवं छात्रों सबने भरपूर साथ दिया । सबने समय कि नजाकत को समझा और बिना किसी एक दूसरे पर दोषारोपण किए अपने कर्तव्य को पूरा किया । मैं पहले भी निवेदित कर चुका हूँ की प्रबंधन समिति ने भी अपने कर्तव्य का पूर्णतया निर्वहन करते हुये , प्राध्यापको को विना किसी आर्थिक नुकसान के, सहयोग देते हुये महाविद्यालय की गतिविधियो के क्रियान्वयन में अभूतपूर्व सहयोग दिया है । जिसके फलस्वरूप यह विभाग भी अपनी गतिविधियो को अंजाम दे पाया । यह समय पूरी तरह आधुनिक टेकनालाजी पर निर्भर होने का था । तो हमने भी इस तकनीकी का सहारा लेते हुये आभासी और गैर आभासी गतिविधिया इस प्रकार सम्पन्न की -

1° दिनांक 07.08.2021 को विभाग ने पहला आभासी अतिथि व्याख्यान आयोजित किया जिसका विषय था ' हिन्दी साहित्य का इतिहास- आदिकाल और भक्तिकाल । प्रमुख व्याख्याता के रूप में डॉ पी आर वासुदेवन शेष , विभागाध्यक्ष हिन्दी शिफ्ट-2 , रामकृष्ण मिशन विवेकानंद कालेज , चेन्नई ने अपना वक्तव्य दिया । यह विषय द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम से संबन्धित रहा जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी रहा । इस आभासी अतिथि व्याख्यान का संयोजन डॉ सुनील पाटिल ने किया ।

पत्रिका तमिलनाडु

राष्ट्रीय वेबीनार

भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग: पी.सरस्वती

हिंदी साहित्य पर व्याख्यान

... के साहित्य पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार द्विवेदी ने स्वागत किया।

डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ सुनील पाटिल इस संगोष्ठी के संयोजक रहे तथा डॉ कुमार अभिषेक ने समीक्षा की। डॉ प्रवीण कुमार मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। कालेज के सचिव अशोक कुमार मुंधड़ा और प्राचार्य डॉ संतोष बाबु ने साधुवाद दिया।

किए गए नए प्रयोग

Scanned with CamScanner

2. विभाग का दूसरा आभासी राष्ट्रीय वेबिनार दिनांक 27.08.2021 को सम्पन्न हुआ । जिसका विषय था – हिन्दी साहित्य के इतिहास का परिचय एवं भक्तिकाल की विशेषता । प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ पी सरस्वती , सहायक प्राध्यापक , हिन्दी मद्रास विश्वविद्यालय , चेन्नई ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया । यह विषय भी द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए उपयोगी था क्यूंकी यह भी पाठ्यक्रम से संबन्धित रहा । इस वेबिनार का संयोजन डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ने किया ।

3. हिन्दी विभाग शिफ्ट -2 ने दिनांक 28.01.2022 को गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में अंतर्विभागीय कविता पाठ का आयोजन किया जिसमें छात्रों ने अपनी स्वरचना प्रस्तुत की तथा कुछ छात्रों ने गणतन्त्र दिवस पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए ।

4 • विभाग ने 10,000/- मूल्य की छात्रोपयोगी हिन्दी पुस्तकों का क्रय भी किया जिसका भुगतान महाविद्यालय ने किया ।

5 • विभाग ने जून 2021 में वर्ष 2020-21 का न्यूजलेटर प्रकाशित किया जिसका बजट महाविद्यालय वहन किया । इस न्यूजलेटर का लोकार्पण महाविद्यालय के महामहिम सचिव श्री अशोक कुमार जी मुंधड़ा के कर कमलों द्वारा हुआ । प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू, कोषाध्यक्ष श्री अशोक जी केडिया , विभागाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार द्विवेदी एवं विभाग के प्राध्यापक भी उपस्थित रहे ।

6. इसके अलावा प्रत्येक वर्ष विभाग निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करता है जिसमें सभी विभागो के हिन्दी छात्र भाग लेते है और उनको प्रमाण पत्र के साथ साथ विभागीय बजट के अनुसार पुरस्कार भी वितरित किया जाता है । इस वर्ष यह पुरस्कार द्वितीय वर्ष के छात्रों को प्रदान किया गया । प्रायः पुरस्कार स्वरूप उपयोगी पुस्तकें ही प्रदान की जाती है ताकि छात्रों में हिन्दी पुस्तकें पढ़ने की रुचि जागृत हो ।

उपलब्धियां

सेमिनार /वेबिनार

विभाग के प्राध्यापक डॉ अशोक कुमार द्विवेदी (विभागाध्यक्ष) , डॉ सुनील पाटिल , डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ,डॉ कुमार अभिषेक , डॉ प्रवीण कुमार मिश्रा ने कुल 22 रिसर्च पेपर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए । प्राध्यापको के 18 प्रपत्र राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुये जो 3.5000 से भी ऊपर के फैक्टर के साथ है । जिनकी प्रतियाँ महाविद्यालय को समर्पित की गयी । महाविद्यालय ने इनके प्रकाशन में सहयोग देते हुये कुल 15,341/- का सहयोग प्रदान किया । प्रकाशको में बोहल शोध मंजूषा एवं विभिन्न कालेजो की बुक प्रोसीडिंग शामिल है । इसके अलावा विभाग के सभी प्राध्यापको द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय कुल 44 एफ डी पी (फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) में भागीदारी की गयी । इसके अलावा विभाग के प्राध्यापको ने लगभग 300 ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया एवं सहभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

विभाग के डॉ सुनील पाटिल द्वारा रचित काव्य संग्रह ' उद्घोष' का लोकार्पण भी फरवरी 2022 में हुआ । जिसका प्रकाशन कर्मण्य प्रिंटर चेन्नई ने किया ।

मुख्य अतिथि / प्रमुख वक्ता

विभाग के डॉ अशोक कुमार द्विवेदी (विभागाध्यक्ष) ने प्रमुख वक्ता के रूप में वेल्स विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में अपना वक्तव्य दिया । डॉ अशोक कुमार द्विवेदी ने, दीपस्तंभ और दीपपोत निदेशालय भारत सरकार द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में अपना विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किया ।डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ने मुख्य वक्ता के रूप में सीएसआईआर कराई कूदी एवम केंद्रीय शिक्षा बोर्ड चेन्नई द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला में अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया । डॉ सुनील पाटिल ने भी मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमति पुष्पाताई हीरे कला , विज्ञान, व वाणिज्य महिला महाविद्यालय , मालेगांव में , विषय विशेषज्ञ के रूप में वक्तव्य प्रस्तुत किया । इसके अलावा विभागीय प्राध्यापको ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित हिन्दी माह/ पखवारा समारोह में आभासी विषय विशेषज्ञ तथा प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई जिसमें केन्द्रीय विद्यालय, सीबीएससी मुख्य कार्यालय , एलआईसी , आईडीबीआई बैंक , शहर के कालेज , अन्ना विश्वविद्यालय , सिद्धा

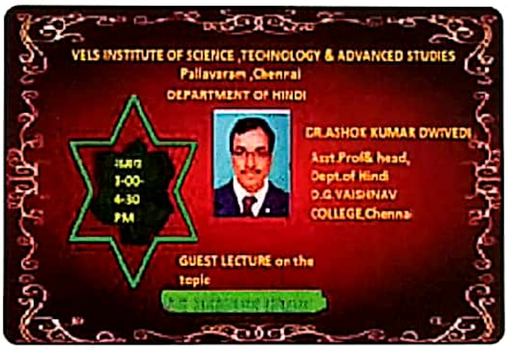

मेडिकल कालेज , तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यक्रम शामिल हैं ।

...ीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय अन्ना नगर चेन्नई
...हिन्दी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ
जिसमें हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी टिप्पण व प्रारुप लेखन, हिन्दी
सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, हिन्दी टाइपिंग। मुझे निर्णायक के रूप में
बुलाया गया । कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात चेन्नई कार्यालय के
क्षेत्रीय अधिकारी के० श्री निवासन से सम्मान प्राप्त करते हुए।

Scanned with CamScanner

कवि सम्मेलन –

डॉ अशोक कुमार द्विवेदी ने वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में प्रमुख कवि के रूप में भाग लिया । केन्द्रीय निदेशालय द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन, तथा ओएन जी सी चेन्नई , मद्रास परमाणु घर, राष्ट्रीय महिला मंच , राष्ट्रीय कवि संगम , आल इंडिया रेडियो चेन्नई, एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय चैनल , विश्व हिन्दी सेवा संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में अपना कविता पाठ किया । डॉ सुनील पाटिल ने विश्व हिन्दी सेवा संस्थान प्रयागराज द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में कुशल संचालन किया और काव्य पाठ भी किया ।

सदस्यता –

विभाग के डॉ अशोक कुमार द्विवेदी ने मद्रास विश्व विद्यालय एवं लोयोला कालेज में बोर्ड आफ स्टडी के सदस्य के रूप में अपनी सेवाए दी । इसके अलावा तमिलनाडू हिन्दी अकादमी , तमिलनाडू हिन्दी साहित्य अकादमी , साहित्यनुशीलन समिति , आदि साहित्यिक समितियो में सदस्य के रूप में अपनी सेवा दी । वे नागरी लिपि परिषद दिल्ली के आजीवन सदस्य है । डॉ सुनील पाटिल भी नागरी लिपि परिषद दिल्ली के आजीवन सदस्य बने ।

अवार्ड –

विभाग के डॉ अशोक कुमार द्विवेदी को इस वर्ष का आचार्य चाणक्य सम्मान (हरियाणा) एवं साहित्य साधक सम्मान (बेंगलुरु) प्रदान किया गया । डॉ सुनील पाटिल को आचार्य चाणक्य सम्मान , इंटरनेशनल टीचर प्राइड ,विलक्षणा शोध रत्न , ग्लोबल रिसर्चर , गिना देवी मीडिया अवार्ड , हिन्दी सेवी सम्मान , शोध गुरु सम्मान प्रदान किया गया । डॉ कुमार अभिषेक को 'इन्टरनेशनल टीचर्स प्राइड अवार्ड 2021' 'श्रीमती विजय लक्ष्मी चौहान स्मृति सम्मान 2021' प्रदान किया गया । डॉ प्रवीण कुमार मिश्रा को 'इंटरनेशल टीचर प्राइड अवार्ड ' और 'श्रीमती विजय लक्ष्मी चौहान स्मृति सम्मान 2021 ' प्रदान किया गया ।

छात्रों की उपलब्धियां –

1॰ विभाग के बीबीए का छात्र प्रणत धींग ने नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय नागरी लिपि पत्र लेखन प्रतियोगिता में भाग लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया । स्थानीय दिल्ली समाचारो में भी यह प्रकाशित हुआ ।

2॰ प्रणत धींग ने विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान , प्रयागराज द्वारा आयोजित कहानी वाचन प्रतियोगिता में भाग लेकर उत्तम स्थान प्राप्त करते हुये प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

3॰ बीएससी मनोविज्ञान का छात्र एस लोकेश कनन ने डीडीजीडी द्वारा आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

पत्र लेखन प्रतियोगिता में अरुणाचल ने बाजी मारी

राजस्थान पत्रिका patrika.com

'मां का आशीर्वाद' कहानी प्रस्तुत की प्रणत ने

पढ़ाई के साथ शारीरिक श्रम भी जरूरी

शोक सन्देश

4॰ बीबीए का छात्र प्रणत धींग ने शाशुन जैन कालेज द्वारा आयोजित क्षितिज कल्चरल में कविता पाठ प्रतियोगिता में भाग लेते हुये द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

5॰ प्रणत धींग ने गुरु नानक कालेज और डॉ एम जी आर जानकी कालेज द्वारा आयोजित पाच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

6॰ बी काम एकाउंट फाइनेंस का छात्र सिद्धार्थ कुमार ने भी गुरु नानक और डॉ एम जी आर जानकी कालेज द्वारा आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

7॰ बीकाम जनरल का छात्र हर्षित जैन ने वी फ़ेस्ट में शामिल होकर एकल नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

8॰ बी काम जनरल का छात्र ललित ने श्री कन्यका परमेश्वरी कालेज द्वारा आयोजित एकल नृत्य प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

9॰बीकाम जनरल का छात्र प्रवीण ने श्री कन्यका परमेश्वरी कालेज द्वारा आयोजित बाज़ीगर प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

10॰ बीकाम कारपोरेट का छात्र जय शर्मा ने गुरु नानक कालेज द्वारा आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

Scanned with CamScanner